

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

Syllabus

मध्यकालीन राजस्थानी पद्य

इकाई सं.	इकाई का नाम
----------	-------------

खण्ड – 1

- | | |
|--------|--|
| इकाई 1 | मध्यकालीन राजस्थानी काव्य में जुग रो दरसाव |
| इकाई 2 | मध्यकाल रा राजस्थानी काव्य री खास प्रवृत्तियाँ |
| इकाई 3 | मध्यकालीन राजस्थानी काव्य धारावां |

खण्ड – 2

- | | |
|--------|---|
| इकाई 4 | मध्यकालीन राजस्थानी काव्य रा प्रमुख रचनाकार : सामान्य जाणकारी |
| इकाई 5 | प्रमुख कवि – बांकीदास आसिया |
| इकाई 6 | प्रमुख कवि – रामनाथ कविया |
| इकाई 7 | प्रमुख कवि – कृपाराम-खिड़िया |
| इकाई 8 | प्रमुख संतकवियत्री –सहजोबाई |

खण्ड – 3

- | | |
|---------|---|
| इकाई 9 | मध्यकालीन राजस्थानी काव्य री प्रमुख रचनावां : सामान्य जाणकारी |
| इकाई 10 | प्रमुख अभिजात्य काव्य रचना : गंगा लहरी |
| इकाई 11 | प्रमुख लोक काव्य – जेटवा उजळी |

खण्ड – 4

- | | |
|---------|--|
| इकाई 12 | मध्यकालीन राजस्थानी भासा काव्य: उद्भव अर विकास |
| इकाई 13 | राजस्थानी छंदसास्त्र: अेक ओळखाण |

खण्ड – 5

- | | |
|---------|----------------------------------|
| इकाई 14 | मध्यकाल रो प्रमुख राजस्थानी पद्य |
|---------|----------------------------------|